

संपादकीय

संरक्षण की बात जोहती अमृत्य विरासतें

दुनिया में संभवतः भारत एकमात्र ऐसा देश है, जहाँ के भूगोल में विविधता बिखरी पड़ी है। इसीलिए भारत को 'विविधता में एकता' का संदेश देने वाली कहलवत से जाना जाता है। लेकिन भारत में ऐसे अनेक स्थल और पुस्तकें हैं, जिनका विश्व-धरोहर सूची में शामिल न होना चिंताजनक है। यूनेस्को यानी 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संगठन' द्वारा जिन धरोहरों को 'विश्व धरोहर' में शामिल किया जाता है, वह इस संगठन के मानदंडों के अनुरूप सबसे ज्यादा कहीं हैं तो भारत में हैं।

विडंबना है कि इस संगठन के 16 नवंबर 1945 को अस्तित्व में आने से लेकर अब तक देश की केवल 37 और मध्य प्रदेश की केवल तीन धरोहर खजुराहो, सांची और भीमबेटका को ही विश्व-धरोहर की श्रेणी में लिया गया है। छत्तीसगढ़ की तो एक भी धरोहर इसमें शामिल नहीं है। छत्तीसगढ़ के सिरपुर स्मारकों को जरूर इस श्रेणी में स्थान दिलाने के प्रयास हो रहे हैं। ओरछा को भी विश्व-धरोहर का दर्जा दिलाने की कोशिशें तेज हुई हैं। सूची में भारत की कुल 1074 धरोहरें दर्ज हैं। प्राचीन ग्रंथ वेद भी गडरियों के गीत के रूप में दर्ज हैं।

धरोहर या विरासत शब्द का स्मरण होते ही पर्यटन की जिज्ञासा अनायास ही मन-मस्तिष्क में जाग जाती है। प्राचीनकाल में पर्यटन शब्द का अर्थ सिर्फ भ्रमण से लिया जाता था। उस समय ये यात्राएं दीर्घकालिक व रोमांचकारी हुआ करती थीं। इनमें कोई बड़ा उद्देश्य भी अंतर्निहित रहता था। चीनी यात्री फाहयान ने भारत, श्रीलंका और नेपाल की यात्राएं बौद्ध ग्रंथों को इकट्ठा करने के लिए की थीं। भारत में यही काम राहुल सांकृत्यायन ने तिब्बत, नेपाल और चीन की यात्रा कर बड़ी संख्या में प्राचीन भारतीय साहित्य की पांडुलिपियां एकत्रित करके किया था। पुर्तगाली वास्को डी गामा ने भारत की यात्रा अपने व्यापार को भारत में स्थापित करने की दृष्टि से की थी। चार्ल्स डार्विन 22 साल की उम्र में ही बीगल नाम के जहाज पर सवार होकर प्रकृति को समझने के लिए निकल पड़ा।

बीसवीं सदी का अंत होते-होते पर्यटन की धारणा में आमूलचूल बदलाव आ गया। भूमंडलीकरण और आर्थिक उदारवाद का प्रभाव पर्यटन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा। फलतः ज्यादातर यात्राएं मौज-मस्ती के लिए होने लगीं। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने 18 अप्रैल को 'विश्व धरोहर दिवस' मनाने का प्रचलन शुरू करके अनेक पुरातात्विक व ऐतिहासिक स्मारकों और प्रकृति से जुड़े उद्यानों व अभयारण्यों को विश्व धरोहर की श्रेणी में लाने का सिलसिला शुरू किया हुआ है, जिससे विश्व पर्यटन में वृद्धि हो। भारत में प्राचीन स्मारकों और धरोहरों की रक्षा का काम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (आईएसआई) करता है। जर्मनी ने अपनी धरोहरों को संभालने के लिए 2013 में करीब 50 करोड़ यूरो खर्च किए थे। यहां 13 लाख स्मारक हैं। हालांकि भारत समेत समूचे विश्व में स्मारकों के निर्माण और संरक्षण की लंबी परंपरा रही है।

दरअसल, दूसरे विश्वयुद्ध में अनेक नगरों को बहुत हानि हुई थी। अमेरिका ने 1945 में नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु हमले करके इन दोनों नगरों को मिट्टी में मिला दिया था। चूंकि युद्ध में नष्ट हुई विरासत का पुनर्निर्माण संभव नहीं था, इसलिए अनेक शिल्पियों ने इनके यथास्थिति में संरक्षण की पैरवी की। 1964 में इटली के वेनिश शहर में संपन्न हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सांस्कृतिक धरोहरों को बचाने और उनके जीर्णोद्धार की वैश्विक संधि हुई। इसमें अकेली इमारतों को ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विकास दिखाने वाले क्षेत्र और नगरों को भी संरक्षण के योग्य माना गया। हमारा अहमदाबाद, मुंबई का विकटोरिया टर्मिनल रेलवे स्टेशन और पूर्वोत्तर की नैरोगेज रेल लाइन इसी श्रेणी की विश्व धरोहर हैं। जर्मनी ने दुनिया की धरोहरों को बचाने की विशेष पहल की है। बावजूद अफगानिस्तान के तालिबानी आतंकवादियों ने मार्च 2001 में चट्टानों पर उकेरी गई विश्व प्रसिद्ध बुद्ध की प्रतिमाओं को डायनामाइट लगाकर उड़ा दिया था और दुनिया देखते रहने के अलावा कुछ नहीं कर पाई थी।

बहरहाल विश्व धरोहर के रूप में संरक्षित किए गए स्थलों के दर्शन करने से ज्ञात होता है कि सभ्य होते मनुष्य की सनातन मानवतावादी संस्कृति दुनिया में खंड-खंड मौजूद है। इस नाते भारत में जो विपुल वन-संपदा और वनवासियों का लोक संस्कृति से जुड़ा जीवन है, उसे भी विश्व-धरोहर के दर्जे में लाना जरूरी है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ वन संपदा की दृष्टि से देश में सबसे ज्यादा समृद्धशाली प्रदेश हैं, पर वहां का एक भी उद्यान या अभ्यारण्य अब तक धरोहर सूची में जगह नहीं बना पाया है। सिंधु घाटी की सभ्यता से जुड़ा प्राचीन मोहनजोदड़ों आज भले ही पाकिस्तान में हैं, इसे भी विश्व धरोहर सूची में शामिल कर संरक्षित किया जाना जरूरी है।

उत्तर-पूर्व की नयी सुरक्षा चुनौतियां

देश के लोगों का मुख्य ध्यान ज्यादातर पश्चिमी सीमा पर बने तनाव और घटनाओं पर केंद्रित है, जिसका आगाज पुलवामा में हुए आतंकी हमले से हुआ था और इसके प्रतिकर्म में पाकिस्तान के बालाकोट में हवाई कार्रवाई की गई थी। इससे दोनों देशों के बीच राजनीतिक माहौल एकदम गर्मा गया था। इसी वक्त भारत में लोकसभा चुनाव प्रचार कटु राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बीच जारी है। चिंता की बात है कि हमारा पूरा ध्यान पश्चिमी सीमा पर केंद्रित है वहीं हम उन घटनाओं को अनदेखा कर रहे हैं जो हमारी पूर्वी थलीय और

जलीय सीमाओं के पार से बन रही हैं। म्यांमार और बांग्लादेश के साथ भारत की 5800 कि.मी. सीमा रेखा साझा है। यह असम, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरती है। इन राज्यों को सीमापारिया आतंकी एवं पृथकतावादी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र के सभी पृथकतावादी गुट तथाकथित 'यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ साउथ एशिया' के झंडे तले एकजुट हो गए हैं। इनमें यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम

(उल्फा), नेशनल सोशलिस्ट कार्गिसिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन)-के, कामतापुर लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (असम) शामिल हैं। लगभग दस साल पहले इन सब को बांग्लादेश में बनाए गए अपने अड्डों को छोड़ना पड़ा था जब शेख हसीना ने सत्ता संभाली थी। उनकी पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के आईएसआई के साथ नजदीकी संबंध थे और उन्होंने भारतीय पृथकतावादी गुटों को बांग्लादेश की भूमि से खुलकर काम करने की

इजाजत दे रखी थी। इन लोगों के साथ बांग्लादेश के अतिवादी और आतंकी संगठन जैसे कि जमात-ए-इस्लामी और जमात-उल-मुजाहिदीन की भी मिलीभगत थी। ये गुट म्यांमार की धरती और साथ लगते चीन के युन्नान प्रांत में बनाए अड्डों से अपनी करतूतें जारी रखे हुए हैं। म्यांमार के पृथकतावादी गुटों को भी चीन सहायता और सुरक्षित ठिकाने मुहैया करवा रहा है। इनमें काचिन इंडिपेंडेंस आर्मी, अराकान आर्मी और यूनाइटेड वॉ स्टेट आर्मी का नाम शामिल है। चीन इन गुटों के साथ अपने संबंधों को म्यांमार की सरकार

पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है, जिसके अंतर्गत वह चाहता है कि म्यांमार उसके द्वारा तजवीज किए गए आर्थिक और बुनियादी ढांचे विकसित करने संबंधी परियोजनाओं को मंजूरी देने में सहयोग करे। तथापि म्यांमार की सेना ने हाल के महानों में भारत विरोधी एनएससीएन (खपलांग) आतंकी गुट पर कड़ी कार्रवाई की है। म्यांमार की सेना ने इस किस्म के सख्त कदम उल्फा के खिलाफ भी उठाए हैं और इसके बड़े नेता ज्योतिमोय असोम को मार गिराया है। इसी प्रकार भारत के साथ लगते म्यांमार के सीमावर्ती

क्षेत्र में अपने ठिकाने बनाने वाली एनएससीएन (के) के सशस्त्र सदस्यों को भी सीमा से दूर धकेल कर कैंपों में सीमित कर दिया गया है। म्यांमार आतंकवाद के विषय पर भारत के साथ काफी सहयोग कर रहा है, जिससे नागालैंड में शांति बनाने की भारतीय कोशिशों को बल मिला है। म्यांमार के राखिन प्रांत में बसे रोहिंग्या मुसलमानों पर सेना द्वारा की गई कार्रवाई में लगभग 11 लाख रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश भागने को मजबूर हुए हैं। रोहिंग्याओं ने इंडोनेशिया और भारत में भी शरण ली है।

फिर दिखा जाह्वी कपूर का टशन दिशा पतानी ने कर डाला ऐसा काम रुक गई टाइगर श्रॉफ

मुंबई। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी जाह्वी कपूर अक्सर खबरों में रहती हैं। धड़क से डेब्यू करने के बाद उनके हाथ में 'तख्त' और गुंजन सक्सेना की बायोपिक समेत अभी दो फिल्में और हैं जिनकी तैयारी में वो लगभग छह महीने से जुटी हुई हैं। बता दें कि जाह्वी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब देखी जाती हैं। जाह्वी कपूर की लेटेस्ट तस्वीरें मुंबई के एक मार्केट से आई हैं, जिनमें एक बार फिर उनका ग्लैमरस अंदाज देखा जा सकता है। जाह्वी आज अपने कपड़ों, स्टाइल से लेकर अपनी आने वाले फिल्मों तक के लिए चर्चा में रहती हैं। उनकी गजब की फैशन फॉलोविंग भी है। इस तस्वीर में आप देख सकते हैं जाह्वी मोबाइल पर बात करते हुए कितनी कूल और रिलैक्स नजर आ रही हैं!

अली खान की हो रही मीडिया कवरेज के लिए चिंतित हैं। लेकिन, सच तो यह है कि जाह्वी कभी खबरों से दूर रही ही नहीं। लेकिन, श्रीदेवी के निधन के बाद जाह्वी ने जिस तरह से खुद को संभाला है और अपने करियर को संवारने में जुटी हैं यह सराहनीय है! इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं जाह्वी का सुपर टशन!



नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ की दोस्त और बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पतानी का अंदाज ही अलग है। जहां सोशल मीडिया पर बॉलीवुड एक्ट्रेस डांस और ग्लैमर वीडियो डालती हैं, वहीं दिशा पतानी अपने एक्शन वीडियो सोशल मीडिया पर डालती रहती हैं। अकसर देखने में आया है कि ये दोनों ही सोशल मीडिया में जमकर अपने एक्शन वीडियो डालते रहते हैं।

दिशा पतानी का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे देखकर टाइगर श्रॉफ की सांसें भी थम गई हैं। दिशा पतानी ने एक एक्शन वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर डाला है जिसमें वे जोरदार एक्शन कर रही हैं। दिशा पतानी ने इस वीडियो के साथ लिखा है: ट्रेनिंग ट्रेनिंग. बैक हैडसिंग सीखने की कोशिश कर रही हूँ. दिशा पतानी बेशक इसे कोशिश बता रही हैं लेकिन वे जोरदार अंदाज में बैक हैडसिंग कर रही हैं. लेकिन दिलचस्प यह है कि उनके इस करतब ने टाइगर श्रॉफ की सांसें रोक दी हैं. टाइगर श्रॉफ ने इस वीडियो पर कमेंट किया है: आराम से... इस तरह एक्शन किंग कहे जाने वाले टाइगर श्रॉफ को उराने में दिशा पतानी कामयाब रही हैं।

हार्दिक पंड्या और राहुल चहर के दम पर मुंबई ने दिल्ली को हराया

नई दिल्ली। राहुल चहर की अगुआई में फिरोजशाह कोटला की धीमी पिच पर स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को यहां 40 रन से जीत दर्ज करके दिल्ली कैपिटल्स के आईपीएल में लगातार तीन जीत के विजय अभियान पर रोक लगाई। दिल्ली के सामने 169 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी टीम नौ विकेट पर रन 128 ही बना पाई। शिखर धवन (22 गेंदों पर 35) और पृथ्वी साव (24 गेंदों पर 20) ने पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े लेकिन इसके बाद विकेटों का पतझड़ शुरू हो गया जो आखिर तक जारी रहा। मुंबई के तीनों स्पिनरों चाहर, जयंत यादव (चार ओवर में 25 रन) और करुणाल पंड्या (दो ओवर में सात रन एक विकेट) ने मिलकर दस ओवर में केवल 51 रन दिए और चार विकेट लिए। चहर ने चार ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट निकाले। तेज गेंदबाज



जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए। इससे पहले हार्दिक पंड्या ने डेथ ओवरों में दो चौकों और तीन छकों की मदद से 15 गेंदों पर 32 रन बनाए। हार्दिक और उनके भाई करुणाल (26 गेंदों पर नाबाद 37) ने अंतिम तीन ओवरों में 50 रन जुटाए जिससे मुंबई बीच के ओवरों में जूझने के बावजूद पांच विकेट पर 168 रन बनाने में सफल रहा। क्रिंटन डिक कोक (27

गेंदों पर 35 रन) और कप्तान रोहित शर्मा (22 गेंदों पर 30 रन) ने पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़कर मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलायी थी। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 40 रनों से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई ने पारी के अंत में हार्दिक और करुणाल पंड्या की दमदार बल्लेबाजी के दम पर 5 विकेट पर 168 रनों का स्कोर बनाया। इसके बाद स्पिनर राहुल

चहर (3/19) के प्रदर्शन की बदौलत मुंबई ने दिल्ली को 9 विकेट पर 128 रन ही बनाने दिए। इस जीत के साथ मुंबई अंक तालिका में 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने जरा हटकर फैसला लिया। उन्होंने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। उन्होंने क्रिंटन डिक कोक के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए मुंबई का स्कोर पावर प्ले में ही 50 के पार पहुंचा दिया। इस बीच रोहित 12 के निजी स्कोर पर पहुंचते ही टी20 क्रिकेट में 8 हजार रन पूरे करने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। अमित मिश्रा ने अपनी पहली ही गेंद पर रोहित को बोल्ट कर दिया। उनकी गेंद नीची रही और रोहित टर्न को नहीं समझ पाए। उन्होंने 30 रन बनाए और पहले विकेट के लिए 57 रन जोड़े। अगले ही ओवर में अक्षर पटेल ने बेन कटिंग्स को आउट कर दिया।

आज का राशिफल

मेष: आज कारोबार सामान्य रहेगा। मनोरंजन के कार्यों पर खर्च करने का योग है। नई योजनाओं पर अमल करने का यही बेहतर समय है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
 वृषभ: आज कोई नया कार्य न करें। किसी भी व्यवसाय में निवेश करने से बचें। वाद-विवाद हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।
 मिथुन: इस राशि के जातकों के परा म में वृद्धि होगी। आज आपका मनोबल बढ़ेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नए संपर्कों से लाभ मिलेगा।
 कर्क: लेन-देन के कार्यों में सावधान रहें, धन निवेश करते समय विशेष सावधानी बरतें, आज किसी को उधार देने से पहले सोच-विचार लें।
 सिंह: आज आपके प्रयास फलीभूत होंगे। प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के अवसर सामने आएंगे।
 कन्या: खर्च की अधिकता रहेगी, किसी न किसी कारण से अनावश्यक खर्च का योग है। व्यर्थ की यात्रा करनी पड़ सकती है।
 तुला: आज आपकी आमदनी में वृद्धि होगी। धन लाभ होगा। जोखिमपूर्ण कार्यों में भी निवेश का लाभ होगा।
 वृश्चिक: आज आपका सितारा अनुकूल है, लाभ होगा। कामकाज में आ रही बाधाएं दूर होंगी सफलता के प्रबल योग हैं।
 धनु: आज आपकी धार्मिक प्रवृत्ति बढ़ेगी, समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज आपके विरोधी परास्त होंगे। यात्रा लाभकारी रहेगी।
 मकर: आज परिश्रम अधिक और लाभ कम रहेगा, कार्यों में बाधाएं आने के योग बन रहे हैं। यात्रा करने से पहले सोच-समझ लें। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं।
 कुंभ: आज कोई नया रोजगार शुरू करने का विचार कर रहे हैं तो शुरू कर दें, सफलता अवश्य मिलेगी। अविवाहितों के विवाह का प्रबल योग बन रहा है।
 मीन: आज संघर्ष के बाद सफलता अवश्य मिलेगी। कोई नया ऑर्डर या फिर कॉन्ट्रैक्ट मिलने की सम्भावना है। शत्रु परास्त होंगे।

शब्द सामर्थ्य-37

बाएं से दाएं	निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, भोग, ऐश्वर्य 13. क्रीमत, मूल्य हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दुष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर कुशल 9. आपस का करार, 1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी 17. पराजय, हार।
--------------	---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 36 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व
प	ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न				आ
वा		मि	थु	न	दा	स	
ह	वा	ला	त	सी	ता	पा	
				व	क	वा	स
औ	र	त	म	त			
ला	वे	च	ना	व	च	न	
द	ह	ला	ना	ग	र	दी	

सू-दोक्-37

	2		6				1		
3			4				2		
									6
6					4				
									1
9			5				6		
4		3				9			2
		8		2				7	
1			2			4		9	6

नियम	सू-दोक् क्र.36 का हल
1. कुल 81 वर्ण हैं, जिसमें 9 वर्णों का एक खंड बना है।	8 7 6 9 5 1 2 3 4
2. हर खाली वर्ण में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।	1 3 9 2 8 4 5 6 7
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, काल और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।	4 5 2 3 7 6 9 1 8
	2 8 5 4 6 7 1 9 3
	3 1 7 8 9 2 4 5 6
	6 9 4 1 3 5 7 8 2
	9 4 1 6 2 8 3 7 5
	7 2 8 5 1 3 6 4 9
	5 6 3 7 4 9 8 2 1

हेल्दी डिश सेवई उपमा...

सामग्री :
 से व इ (भुनी हुई)- 1 कप, प्याज (बारीक कटा हुआ)- 1/4 कप, टमाटर (बारीक कटा हुआ)- 1/4 कप, हरी मिर्च (बारीक कटी हुई)- 2, ताज़ा मटर के दाने -1/4 कप, हल्दी पाउडर-1/4 छोटा चम्मच (टीस्पून), राई -1/4 छोटा चम्मच (टीस्पून), नमक-स्वादानुसार, तेल - 1 बड़ा चम्मच (टेबलस्पून), हरा धनिया (बारीक कटा हुआ)- 1 बड़ा चम्मच (टेबलस्पून), पानी-2 कप
विधि :
 सेवई उपमा बनाने के लिए, कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें राई का तड़का लगाएं। जब राई चटकने लगे तब उसमें प्याज और हरी मिर्च डालें। बीच-बीच में चम्मच से हिलाते हुए धीमी आंच पर प्याज को सुनहरा होने तक सेकें। जब प्याज भुन जाए तब उसमें हल्दी पाउडर, टमाटर और मटर के दाने डालकर मिलाएं और ढक्कर धीमी आंच पर पकाएं। जैसे ही टमाटर और मटर के दाने पक जाएं तब इसमें भुनी हुई सेवई, नमक और 2 कप पानी डालकर मिलाएं। अब मध्यम आंच पर, ढक्कर, पानी के सूखने और सेवई के गलने तक पकाएं। पानी सूखने के बाद गैस बंद करें। अगर सेवई गलने के बाद भी पानी न सूखा हो तो ढक्कन हटाकर तब तक पकाएं जब तक पानी सूख न जाए। तैयार है सेवई उपमा, इसे हरे धनिया और टमाटर स्लाइस से सजाकर सर्व करें।